NBT
नवभारत टाइम्स

मिसिंग लिंक: अगले साल जून से मुंबई से पुणे जाने वालों के बचेंगे 25 मिनट

Pankaj.Pandey@Timesofindia.com

■ **मुंबई:** मुंबई से पुणे के बीच सफर करने वाले यात्री जून 2025 से अपने गंतव्य स्थान तक 25 मिनट पहले पहुंच सकेंगे। यात्रा की अवधि घटाने के लिए मिसिंग लिंक प्रॉजेक्ट का काम अंतिम चरण के करीब पहुंच गया है। प्रॉजेक्ट के पूरा होने से राज्य के दो प्रमुख शहरों की दूरी करीब छह किमी घटेगी। मुंबई-पुणे की दूरी कम करने के लिए दो पहाड़ों के बीच देश का सबसे ऊंचा केबल ब्रिज तैयार किया जा रहा है।

दूरी घटाने के लिए दो पहाड़ों के बीच बन रहा देश का सबसे ऊंचा केबल ब्रिज

केबल ब्रिज जमीन से करीब 183 मीटर ऊपर है। यह ब्रिज 80 फीसदी तक बन कर तैयार हो चुका है। मुंबई पुणे एक्सप्रेस-वे पर मौजूद समय में खोपोली एक्जिट से सिंहगढ़ इंस्टिट्यूट के बीच की दूरी 19 किमी है। मिसिंग लिंक के बन जाने से 19 किमी की दूरी घट कर 13.3 किमी में सिमट जाएगी। मिसिंग लिंक प्रॉजेक्ट के तहत महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास महामंडल (एमएसआरडीसी) 13.3 किमी लंबा नया मार्ग तैयार कर रही है। इसमें दो टनल और दो केबल ब्रिज बन रहे हैं। 13.33 किमी में से 11 किमी लंबी टनल और करीब 2 किमी का केबल ब्रिज होगा। एमएसआरडीसी के अनुसार, दोनों टनल की खुदाई का काम पूरा कर लिया गया है। मौजूदा समय में टनल के भीतर फिनिशिंग का काम चल रहा है। ▸▸ पेज 3

NBT Lens
समझिए खबरों के अंदर की बात

बारिश में नहीं होगी परेशानी

मुंबई-पुणे सफर के दौरान खोपोली के करीब गाड़ियों को घाट सेक्शन पार कर के जाना पड़ता है। घाट सेक्शन में अक्सर दुर्घटनाओं के मामले सामने आते रहते हैं। वहीं, मानसून के दौरान भूस्खलन की वजह से भी कई बार यातायात प्रभावित हो जाता है। इस वजह से मुंबई की ओर आने वाली पहाड़ों से सटी एक लेन को मॉनसून के दौरान बंद करना पड़ता है। दुर्घटनाओं को कम करने और गाड़ियां बिना परेशानी के दौड़ सकें, इसे ध्यान में रखते हुए मुंबई-पुणे एक्सप्रेस वे पर खोपोली एग्जिट से कुसगांव के बीच 13.3 किमी के मिसिंग लिंक तैयार किया जा रहा है।

250 किमी हवा की रफ्तार झेल सकता है खोपोली ब्रिज

■ पेज 1 का शेष:

खोपोली में बन रहा देश का सबसे ऊंचा केबल ब्रिज हवा की 250 किमी प्रति घंटे की रफ्तार को भी झेल सकता है। ब्रिज तैयार करने वाली कंपनी ऑफकॉन्स के मैनेजिंग डायरेक्टर एस. परमसिवन के अनुसार, जिस परिसर में यह ब्रिज बन रहा है, वहां सामान्य तौर पर 25 से 30 किमी प्रति घंटे और अधिकतम 50 किमी की स्पीड से हवा चलती है। वहीं ब्रिज पर 100 किमी की स्पीड से गाड़ियां चलेंगी। इस वजह से तेज हवा को ध्यान में रखते ब्रिज का डिजाइन तैयार किया गया है। डिजाइन के विदेश में टेस्ट के बाद ही इसे अपनाया गया है। अधिक ऊंचाई और तेज हवा को ध्यान में रखकर ऐसा डिजाइन तैयार किया गया है कि अगर यहां 250 किमी की गति से हवा चले तो भी ब्रिज को कुछ नहीं होगा।

पहले चरण का काम पूरा

करीब 850 मीटर लंबे और 26 मीटर चौड़े दो केबल ब्रिज का निर्माण दो चरणों में किया जा रहा है। ब्रिज के पहले चरण का काम पूरा कर लिया गया है, जबकि

दूसरे चरण का काम चल रहा है। मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे से आने वाली गाड़ियां एक पहाड़ में बने टनल के माध्यम से मिसिंग लिंक में प्रवेश करेगी। टनल से निकलने के बाद गाड़ियां 183 मीटर ऊंचे ब्रिज के माध्यम से दूसरे पहाड़ में बनी टनल तक पहुंचेगी। एस. परमसिवन के अनुसार, ब्रिज के निर्माण में करीब 31 हजार टन स्टील का निर्माण किया जाएगा। वहीं 3.5 लाख क्यूबिक मीटर कंक्रीट का इस्तेमाल होगा। इस ब्रिज की आयु करीब 100 वर्ष की है।